Your Imagination, we Print...
JGP
JAY graphics & printers
COMMERCIAL PRINTERS
C-15 VIKRAM CHAMBARS, NR.INCOME TAX OFFICE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.
Ph. : 93288 95485

Regd.RNI.No. GUJHIN/2016/72566

GANDHINAGAR

# पाटनगर उदय

प्रधान सम्पादक : ईलेवान एच. ठाकर
मो.नं. : 99784 07016

सह सम्पादक : सुरेश के. मालाणी
मो.नं. 97269 63888

• वर्ष : 10 • अंक : 283 • दिनांक : 19-07-2026, SUNDAY • पेज : 04 • मुल्य : 0.90/- (paisa) वार्षिक शुल्क : 280/-

'पाटनगर उदय'
दैनिक समाचार पत्र में समाचार, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिये
सम्पर्क करें : गांधीनगर कार्यालय
403, अखबार भवन, सेक्टर-11, गांधीनगर- 382011.
अहमदाबाद कार्यालय : 4, अवनी हाउस, मिठाखली रेलवे क्रॉसिंग के पास, मिठाखली गाम, अहमदाबाद - 380006.
मोबाईल नं. : 93288 95485
email:- patnagaruday@gmail.com

• कार्यवाहक सम्पादक : कनकभाई पंड्या • Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR (GUJ) ई-मेलः patnagaruday@gmail.com

### स्काईरूट एयरोस्पेस ने खुद बनाकर अंतरिक्ष में भेजा, 2 दोस्तों ने इसरो छोड़कर बनाई थी यह कंपनी

# भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च कामयाब

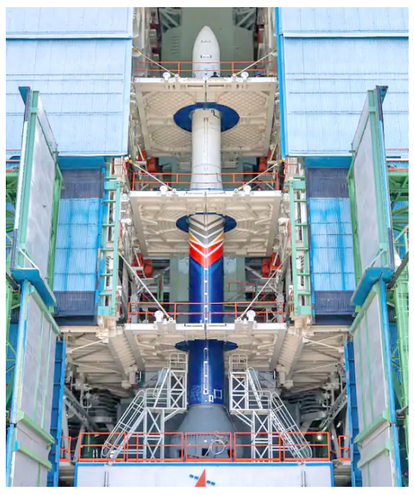

»हैदराबाद

हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया। यह टेस्ट पहले ही प्रयास में कामयाब रहा। विक्रम-1 को स्काईरूट एयरोस्पेस ने तैयार किया और लॉन्चिंग भी खुद ही की। सिर्फ लॉन्चपैड इसरो का था।

स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी की स्थापना 2018 में दो दोस्तों पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी।

विक्रम-1 को आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन स्पेस सेंटर से दोपहर 12:05 बजे लॉन्च किया गया। स्काईरूट ने 2022 में विक्रम-एस सब-ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च किया था, जो 89.5 km की ऊंचाई तक गया था। अब विक्रम-1 450 km की पृथ्वी की सर्कुलर निचली कक्षा तक पहुंच गया है। इसे भारत के स्पेस सेक्टर के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

ऑर्बिटल रॉकेटः जब कोई रॉकेट पृथ्वी के चारों ओर लगातार चक्कर लगाने लायक स्पीड हासिल कर लेता है, तो वह ऑर्बिटल रॉकेट कहलाता है। यह स्पीड लगभग 28,000 किमी/घंटा या 7.8 किमी/सेकंड होती है। रॉकेट अंतरिक्ष की सीमा तक जाकर लौट आए, तो उसे सब-ऑर्बिटल रॉकेट कहते हैं। आमतौर पर 100 किमी की ऊंचाई पर अंतरिक्ष की शुरुआत मानी जाती है। कॉस्मोस डायमंड्स की कलाकृति 'कॉस्मिक ब्लूम' और एक खास माइक्रो-आर्ट पीस भी रॉकेट में भेजा गया। यह माइक्रो-आर्ट पीस 18 कैरेट सोने से बना छोटा सा रॉकेट है। इस पर वैज्ञानिक सर सीवी रमन, डॉ. विक्रम साराभाई और डॉ. कलाम की सूक्ष्म मूर्तियां उकेरी गई हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा गया एक पोस्टकार्ड भी रॉकेट में भेजा गया, जिस पर 'वंदे मातरम' शब्द अंकित हैं। विक्रम-1 पूरी तरह से हल्के और मजबूत कार्बन-कंपोजिट स्ट्रक्चर से बना पहला ऑर्बिटल रॉकेट है। कार्बन फाइबर स्टील की तुलना में पांच गुना हल्का होता है। इससे रॉकेट का वजन कम हो जाता है, जिससे इसकी ईंधन दक्षता बढ़ जाती है। रॉकेट को ऊर्जा देने के लिए इसमें तीन सॉलिड-फ्यूल स्टेज और एक लिक्विड ऑर्बिटल एडजस्टमेंट मॉड्यूल दिया गया है।

1. तीन सॉलिड-फ्यूल स्टेजः

इसे आप रॉकेट के नीचे लगे तीन बेहद ताकतवर 'बूस्टर्स' की तरह समझ सकते हैं, जिनमें ठोस ईंधन जैसे बारूद की तरह का ठोस केमिकल भरा होता है.

रॉकेट को जमीन से उठाकर आसमान की तरफ धकेलने के लिए शुरुआत में बहुत भारी ताकत की जरूरत होती है। ये तीनों सॉलिड स्टेज एक-एक करके जलते हैं और रॉकेट को शुरुआती धक्का देकर अंतरिक्ष की सीमा लो अर्थ ऑर्बिट के पास पहुंचा देते हैं।

2. लिक्विड ऑर्बिटल एडजस्टमेंट मॉड्यूल

यह रॉकेट के ऊपरी हिस्से में लगा एक बेहद बारीक और स्मार्ट तरल ईंधन वाला छोटा इंजन होता है। जब रॉकेट अंतरिक्ष में पहुंच जाता है, तो वहां ठोस ईंधन काम नहीं आता क्योंकि उसे अपनी मर्जी से ऑन या ऑफ नहीं किया जा सकता। यहां 'लिक्विड मॉड्यूल' काम आता है।

यह अंतरिक्ष में सैटेलाइट को सही दिशा देने, रॉकेट की रफ्तार कम-ज्यादा करने और सैटेलाइट को उसकी तय की गई कक्षा में 'एडजस्ट' यानी स्थापित करने का काम करता है।

## पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के अंतर्गत सूरत महानगर प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत

भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) द्वारा दिव्यांगजनों के लिए उपभोक्ता मार्गदर्शिका पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत

सूरत, शनिवारः भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) सूरत शाखा द्वारा समाज सुरक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित भिक्षुक स्वीकार केंद्र में "दिव्यांगजनों के लिए उपभोक्ता मार्गदर्शिका" विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को उपभोक्ता के रूप में उनके अधिकारों, शिकायत निवारण व्यवस्था, सुगम्यता से संबंधित विभिन्न सरकारी प्रावधानों, यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (UDID) तथा "सुगम्य भारत अभियान" के बारे में जागरूक करना था। साथ ही दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुओं की गुणवत्ता, सुरक्षा तथा भारतीय मानकों (BIS) के महत्व की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर BIS सूरत शाखा के प्रमुख एवं वैज्ञानिक-'ई' श्री विक्रांत ने अपने संबोधन में दिव्यांगजनों के लिए गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित तथा आसानी से उपयोग किए जा सकने वाले उत्पादों और सेवाओं को सुनिश्चित करने में भारतीय मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में BIS सूरत के संयुक्त निदेशक एवं वैज्ञानिक-'डी' श्री निखिल राजे ने प्रत्येक नागरिक से अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा

एक समावेशी एवं उपभोक्ता-जागरूक समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। मुख्य प्रशिक्षक एवं संसाधन व्यक्ति श्री मनोज देवीपूजक ने उपस्थित दिव्यांगजनों एवं प्रतिभागियों को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम तथा शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने यूनिक डिसएबिलिटी आईडी कार्ड प्राप्त करने की प्रक्रिया, उसके लाभ तथा उससे मिलने वाली विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ कैसे लिया जा सकता है, इसकी विस्तृत जानकारी भी साझा की। कार्यक्रम के अंत में आयोजित संवाद सत्र में उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी शंकाओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया

## छत्तीसगढ़ में बारिश का 93 साल का रिकॉर्ड टूटा UP के सभी 75 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

### अरुणाचल प्रदेश के 35 गांवों में लैंडस्लाइड

»नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बारिश का 93 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। यहां 1993 में 14.93 इंच बारिश हुई थी। लेकिन शनिवार को 16 इंच बारिश हुई और ये रिकॉर्ड टूट गया।

यूपी के लखनऊ, कानपुर और बाराबंकी समेत सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया। वाराणसी में गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने के बाद गंगा आरती की जगह बदलनी पड़ी है। झांसी में 15 मिनट की बारिश के बाद पारा 7 डिग्री तक कम हो गया।

वहीं, अरुणाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। पिछले 24 घंटों में अपर सुबनसिरी जिले के गिबा, निलिंग, चेतम और दापोरिजो सर्किलों के 35 गांवों में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड हुई। बाढ़ से अब तक 1,13,674 लोग प्रभावित हुए हैं। छत्तीसगढ़ में मानसून फिर एक्टिव हो गया है। बंगाल, झारखंड और ओडिशा में बने लो प्रेशर एरिया से प्रदेश में लगातार नमी पहुंच रही है। इसी वजह से पिछले 24 घंटे में मध्य छत्तीसगढ़ के कई जिलों में जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे तक मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना जताई है। जम्मू-कश्मीर में लगातार बढ़ रहे चिनाब नदी का जलस्तर बढ़ने पर सलाल बांध के सभी गेट खोले गए, प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की। बगहा और बेतिया में सुबह-सुबह बारिश हुई है। ठंडी हवा चल रही है। आसमान में बादल छाए हैं। लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी शनिवार को प्रदेश के 5 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में तेज हवा भी चल सकती है। पहाड़ों पर भारी बारिश से प्रदेश की नदियां उफान पर हैं। वाराणसी में गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने के बाद गंगा आरती की जगह बदलनी पड़ी है। ललिता घाट पर होने वाली गंगा आरती अब सीढ़ियों के ऊपर सुरक्षित स्थान पर कराई जाएगी। प्रयागराज संगम पर अनाउंस कर लोगों को नदी से दूर रहने को कहा जा रहा है। राजस्थान में मानसून अब भी ब्रेक पर है। शनिवार को 10 जिलों में बारिश की संभावना है, लेकिन तेज बरसात का अलर्ट नहीं है। राज्य में अब तक सामान्य से 21 फीसदी कम बरसात हुई है।

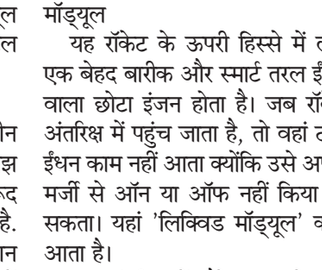

## सूरत के कस्तूरबा विद्या भवन में एनिवर्सरी सॉन्ग कॉम्पिटिशन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, 35 स्टूडेंट्स ने उत्साह से भाग लिया

» रिपोर्ट : दीपक भाई प्रजापति

सूरत, तारीख 18 जुलाई 2026: सूरत के वेड रोड स्थित कस्तूरबा विद्या भवन में शनिवार को एनुअल सॉन्ग कॉम्पिटिशन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। 9वीं और 10वीं क्लास के कुल 35 स्टूडेंट्स ने कॉम्पिटिशन में उत्साह से भाग लिया और अपनी म्यूजिकल प्रतिभा को खूबसूरती से दिखाया।

जीतने वाले स्टूडेंट्स के नामः

क्लास 10

- फर्स्टः निधि कालूभाई नागर (10-C)
- सेकंडः गुंजन शैलेशभाई चौहान (10-C)
- थर्डः निहार शामजीभाई बोराला (10-A)

क्लास 9

- फर्स्टः धुपाल लाखाभाई जेठवा (9-D)
- सेकंडः वीरेन भावेशभाई मकवाना (9-A)
- थर्ड (जॉइंट): प्रियंका पंकजकुमार ठाकोर (9-C)
- थर्ड (जॉइंट): अंजलि राजूभाई ठाकोर (9-D)

श्री रजनीशकुमार वारिया और श्रीमती नीताबेन चौधरी ने कॉम्पिटिशन के जज के तौर पर बिना किसी भेदभाव के काम किया। पूरा प्रोग्राम श्रीमती हेमाबेन पटेल और श्रीमती कल्पनाबेन पटेल ने ऑर्गनाइज़ किया था।

प्रोग्राम को स्कूल के आर्ट टीचर, श्री विक्रमभाई पटेल ने बहुत अच्छे से कंडक्ट किया, जबकि आखिर में प्रिंसिपल रीताबेन पटेल ने सभी का शुक्रिया अदा किया और प्रोग्राम को सफल बनाने वाले सभी स्टूडेंट्स, टीचर्स और ऑर्गनाइज़र्स को बधाई दी।

## अहमदाबाद में अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 9 की मौतः15 घायल

»अहमदाबाद

अहमदाबाद के वस्त्राल इलाके में शनिवार को अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाके के बाद आग लग गई। हादसे में 9 कर्मचारियों की मौत हो गई और करीब 15 घायल हो गए।

हादसा रामोल से गतराड जाने वाले रास्ते पर महमूदपुरा टैलेंट के पास हुआ। यहां से करीब एक किलोमीटर दूर रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) का कैंप है। धमाके की आवाज सुनते ही RAF जवान तुरंत घटनास्थल पहुंचे और लोगों का रेस्क्यू किया। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर तक सुनाई दी।

धमाके की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां और एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गईं। हादसे के समय फैक्ट्री में करीब 25 लोग काम कर रहे थे।

अवैध फैक्ट्री के मालिक मेहुल डोडिया को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इस हादसे में मेहुल की मां रमीला डोडिया भी घायल हो गई हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। इलाके के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर जयपाल सिंह राठौड़ के अनुसार, रामोल-गटराड रोड पर खुले मैदान में मेहुल डोडिया नाम का व्यक्ति पटाखा फैक्ट्री चला रहा था। फैक्ट्री का लाइसेंस पहले ही रद्द हो चुका था, इसके बावजूद वहां पटाखे बनाए जा रहे थे। खुले मैदानों में पत्तों और तिरपाल की बाड़ लगाकर आतिशबाजी बनाई जा रही है। घायलों को एलजी अस्पताल और असरवा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

PM नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया और मृतकों के परिजन के लिए 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की मदद का ऐलान किया है। राज्य सरकार मृतकों के परिवार को 4 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की मदद देगी। जॉइंट पुलिस कमिश्नर जयपाल सिंह ने बताया कि फैक्ट्री का लाइसेंस पहले ही रद्द किया जा चुका था। इसके बावजूद मेहुल डोडिया फैक्ट्री चला रहा था। नियम के मुताबिक, लाइसेंस रद्द होने पर प्रशासन फैक्ट्री सील करती है और वहां रखा बारूद जब्त करती है।

इस मामले में सिर्फ लाइसेंस रद्द हुआ, फैक्ट्री सील नहीं की गई। गृह मंत्रालय के नियमों के मुताबिक, सैन्य या अर्धसैनिक बलों के कैंपों के आसपास बारूद या विस्फोटकों का काम होना पूरी तरह से बैन है। इसके बावजूद RAF शिविर के पास ही अवैध फैक्ट्री चल रही थी। ऐसे में देश की एक महत्वपूर्ण सुरक्षा यूनिट को नुकसान पहुंच सकता था।

संपादकीय

# अतिवाद की हदों को पार करता स्त्रीवाद

हाल में अमेरिका में हुए कुछ सर्वे और रिपोर्ट पढ़ी। उनमें बताया गया है कि वहां अधिकांश स्त्रियां पुरुषों से बराबरी चाहती हैं। समान वेतन और समान सुविधाओं को पसंद करती हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश खुद को फेमिनिस्ट या स्त्रीवादी नहीं कहलाना चाहतीं। बहुत से पुरुष भी स्त्रियों के अधिकारों के प्रबल समर्थक हैं, पर वे इस शब्द से परहेज करते हैं। आखिर इसका कारण क्या है? स्त्रियों का कहना है कि स्त्रीवाद ने शुरुआत में जो अधिकार मांगे थे, जैसे शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य आदि वे कमोबेश पूरे हो चुके हैं। जहां नहीं हुए हैं, वहां इन पर सोचा जा रहा है। इसलिए अब पुराने रागों का अलाप बंद होना चाहिए। वे फेमिनिज्म के अतिवादी रूप (रेडिकल फेमिनिज्म) से परेशान हैं। उनका कहना है कि हमेशा पुरुषों को शिकारी और अपने को शिकार दिखाना गलत अवधारणा है। पुरुष अच्छे भी हो सकते हैं और स्त्रियां बुरी भी हो सकती हैं। वे यह भी कहती हैं कि किसी दफ्तर में अधिकारी बनकर घंटों काम करने और दफ्तर की परेशानियों को झेलने से उनका जीवन आसान नहीं, बहुत कठिन हुआ है।

यही नहीं, फेमिनिज्म द्वारा स्त्री की हर पुरानी भूमिका की आलोचना की जाती है, जैसे खाना बनाने, बच्चे पालने, घर की देखभाल करने आदि को पिछड़ापन और शोषण का कारक बताया जाता है। यह सोच उन स्त्रियों को छोटा करता है, उनका अपमान करता है, जो इन भूमिकाओं में रहना चाहती हैं। इन स्त्रियों का कहना है कि यदि वे अपनी मर्जी से ये सब करना चाहती हैं तो कोई और उनका मजाक कैसे उड़ा सकता है? उन्हें मुख्यधारा से कटा हुआ कैसे कह सकता है? यह भी सच है कि नौकरीपेशा स्त्रियां एक तरह से खुद को सैंडविच की तरह से महसूस करती हैं, क्योंकि उन्हें घर भी देखना होता है और दफ्तर में भी काम करना होता है। स्त्रियों का कहना यह भी है कि मेनस्ट्रीम फेमिनिस्ट स्त्रियों को हमेशा कमजोर साबित करती रहती हैं, जबकि उन्हें स्त्रियों की तरह-तरह की भूमिकाओं, उन्हें निभाने की उनकी ताकत और उनकी क्षमताओं पर बात करनी चाहिए। यही नहीं, पुरुषों को हमेशा नकारात्मक रूप में पेश करना भी समाज की कोई भलाई नहीं करता, क्योंकि अधिकांश पुरुष भी परिवार के लिए नौकरी या अच्छे काम करते हैं। उनकी इन भूमिकाओं की सराहना आखिर क्यों नहीं की जानी चाहिए?

अमेरिका में चलने वाले ट्रेडिशनल वाइफ मूवमेंट में शामिल स्त्रियां यह तक कहती हैं कि यदि वे अपने पति के लिए खाना बनाती हैं, बच्चों की देखभाल करती हैं तो यह उनका चुनाव है, पसंद है। दूसरी महिला इस पर सवाल उठाने वाली कौन होती है। इन बातों को पढ़ते हुए यही लगा कि कोई भी विमर्श शुरुआत में सहानुभूति से शुरू होता है। फिर धीरे-धीरे उसे ताकत प्राप्त होती है। मीडिया, जनता और सरकारों का समर्थन मिलता है तो फिर वह गुर्राने लगता है। सबसे सवाल पूछने और असहमत होने का अधिकार तो मांगता है, मगर यह नहीं देखना चाहता कि कोई उससे असहमत हो। इन दिनों अपने देश में चल रहे कई विमर्शों की यही सच्चाई है। आप जैसे ही उनसे असहमत होते हैं, सवाल पूछते हैं तो फौरन तरह-तरह के अपशब्दों के साथ आप पर हमला बोल देते हैं।

यह एक तानाशाहीपूर्ण रवैया है, क्योंकि तानाशाहियों में ही सवाल पूछना मना होता है। यदि कोई विमर्श सवालों से बचने लगे, सवाल पूछने वालों पर ही आक्रमण करने लगे, गाली-गलौज की भाषा का इस्तेमाल करने लगे तो माना जाना चाहिए कि उसका अंत करीब है। यों भी इतिहास से अब तक देखें तो किसी भी विचार-विमर्श की उम्र 70-100 साल से अधिक नहीं होती, क्योंकि कोई भी विचार और विमर्श अपना प्रतिपक्ष साथ लेकर आता है। जिस अमेरिका और यूरोप से स्त्रीवादी विचार चला था, वहां ही अब इस पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ट्रंप प्रशासन भी अतिवादी स्त्रीवाद का बड़ा आलोचक है। ट्रंप का कहना है कि रेडिकल फेमिनिज्म और एलजीबीटीक्यू की अमेरिका में कोई जगह नहीं है। सभी को एक साथ लेकर चलने की जरूरत है और थर्ड जेंडर जैसी चीज कोई नहीं होती। अमेरिका को बचाना है तो परिवार चाहिए। हालांकि वहां की स्त्रीवादी ट्रंप के विचार से सहमत नहीं हैं और उन्हें मिसोजोनिस्ट कहती हैं।

अपने देश में भी स्त्रीवादी विचार की अति अगर देखनी हो तो हाल में हुए सिया-केतन मामले में देखी जानी चाहिए। महिलाओं के एक वर्ग ने इंटरनेट मीडिया में जोर-शोर से कहा कि ऐसे पुरुषों को यही सजा मिलनी चाहिए। एनसीआरबी के आंकड़े दिखा कहने लगीं कि बड़ी संख्या में पुरुष स्त्रियों को मारते रहे हैं। ऐसे में यदि किसी स्त्री ने पुरुष को मार दिया तो क्या गलत किया। वे अपने साथ हुए अपराधों का बदला ले रही हैं। ऐसी स्त्रीवादियों से कहना चाहूंगी कि चाहे कोई स्त्री मरे या पुरुष, किसी की भी हत्या हो, वह दुखद है। यदि आप जीवन दे नहीं सकतीं तो लेने का क्या अधिकार। किसी को भी किसी की हत्या का अधिकार नहीं है।

## तेज गति से कार पोल विद्युत खम्बे को टक्कर मारी

आबुराज ढूंढाईं की मोड़ पर तेज गति से आ रही मारुति ब्रेजा कार संख्या GJ08DP3684 वाहन चालक विक्रम सिंह सोलंकी निवासी गांव खबोई काजरेई जिला बनासकांठा ने बताया कि सामने से आ रहे मोटर साइकिल वाले को बचाने के चक्कर में विद्युत पॉल को जोर से टक्कर मारी जिसके कारण कार का इंजन क्षति ग्रस्त हो गया तथा विद्युत पोल भी मुड़ गया मौके पर विद्युत विभाग के अधिकारी सहायक अभियंता एवं कर्मचारी ने मौके पर पहुंचकर पोल को ठीक करने की करने की नियम अनुसार कार्रवाई शुरू कर दी वाहन चालक को किसी प्रकार की चोट नहीं आई है आपदा प्रबंधन व सेवा निवृत वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी प्रभारी श्री प्रकाश चौहान ने दुर्घटना होने के संभावित कारणों को बताया कि दुर्घटना से देर भली तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने, अचानक ब्रेक फेल होने, मिर्गी का दौरा आने, शरीर में ऐंठन आने, खाना खाकर दही छाछ पीकर गाड़ी चलाने से नींद की झपकी आने से , बियर शराब व नशीली चीजों का सेवन करके गाड़ी चलाने से, सेडिशन वाली ड्रग्स लेकर गाड़ी चलाने से, धुंध के कारण आगे स्पष्ट नहीं दिखाई देने से , आंखों में मोतियाबिंद या नजर का कमजोर पड़ने से ,, वाहन चलाते समय मोबाइल का अनावश्यक प्रयोग करने से, तेज आवाज में म्यूजिक बजाते हुए वाहन चलाने से, सड़क पर तेल या चिकनी चीज का फैला होने से,वाहन चालक का ध्यान सामने नहीं होकर दाएं बाएं इधर-उधर की बाते करने तथा देखने से, सीट बेल्ट नहीं पहनने से , वर्षा ऋतु में वाईपर ठीक से काम नहीं करने से आदि कई कारण है जिनकी वजह से प्रतिदिन हजारों आदमी दुर्घटना के शिकार होते हैं कई लोगों के शरीर का अंग दुर्घटना में खोना पड़ता है तो कई विकलांग हो जाते हैं गंभीर दुर्घटना में मौत भी हो जाती है दुर्घटना में कमी लाने तथा ट्रैफिक नियमों का सही रूप से पालन करने से जान माल की हानि होने से बचा जा सकता है

'लोकहितं मम करणीयम्' (जनहित ही मेरा कर्तव्य है) मंत्र से जुड़ी संस्था

# विसावदर श्री केशव क्रेडिट को-ऑपरेटिव शाखा ने तीन कार्यक्रमों के साथ एक आम बैठक आयोजित की

## सदस्यों का मिलन समारोह, सदस्यों के लिए अध्ययन कक्षा, और शाखा स्थापना दिवस

»सी. वी. जोशी विसावदर

विसावदर में श्री केशव क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी पिछले नौ वर्षों से काम कर रही है। 'लोकहितं मम करणीयम्' (जनहित ही मेरा कर्तव्य है) के सूत्र को सार्थक बनाने और सदस्यों के साथ मिलकर शाखा का विस्तार करने के लिए एक आम बैठक आयोजित की गई।

सबसे पहले, मोबाइल के माध्यम से संस्था का ध्येय-गीत गाया गया। इसके बाद, उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और अतिथियों ने दीप प्रज्वलित किया, जिसके बाद श्री केशव क्रेडिट सोसाइटी के समन्वयक घनश्यामभाई सावलिया ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया। बात गण मान्य व्यक्तियों को किताब अर्पित करके सम्मानित किया। इसके बाद, संस्था के प्रभारी चंद्रवदनभाई चौहाण ने संस्था का संक्षिप्त परिचय दिया और सभी को संस्था की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

इसके बाद, गणमान्य व्यक्तियों डॉ.भरतभाई झालावाडिया, विपुलभाई राठौड़ (संयुक्त एमडी), लिनाबेन कावाणी (जूनागढ़ जिला पंचायत अध्यक्ष) और पी.एस.गजेरा ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, श्री केशव क्रेडिट को-ऑपरेटिव विसावदर शाखा ने सदस्यों को एकजुट किया है और जरूरतमंद सदस्यों को वित्तीय ऋण प्रदान करके कई परिवारों को आत्मनिर्भर बनाया है। इस संस्था ने क्रांतिकारी संत पू. मुक्तानंद बापू के जीवन-मंत्र - 'गिरे हुओं को उठाना, खड़े लोगों को गति देना, सक्रिय लोगों को सही दिशा देना' - को अपनाया है। इसी के अनुसार, कमजोर और जरूरतमंद सदस्यों ने श्री केशव क्रेडिट को-ऑपरेटिव के माध्यम से वित्तीय ऋण लिया है और अपने परिवारों के साथ अच्छी तरह से स्थापित होकर आजीविका कमाने में सक्षम हुए हैं। चूंकि इस संस्था का मुख्य उद्देश्य 'लोकहितं मम करणीयम्' को पूरा करना है, इसलिए आज लगभग 1090 सदस्य इस संस्था से जुड़े हुए हैं।

एक विशेष रूप से सराहनीय बात यह है कि इस शाखा की वर्तमान प्रबंधन समिति ने सदस्यों को संस्था की सभी नीतियों और नियमों के बारे में जागरूक किया है और आवश्यकतानुसार ऋण प्रदान करके कई परिवारों को आत्मनिर्भर बनाया है।

इस कार्यक्रम में अंकितभाई जिलका, विरेंद्रभाई सावलिया, नगर पालिका अध्यक्ष के प्रतिनिधि भरतभाई सोलंकी, वरिष्ठ पत्रकार सी.वी. जोशी, मधुभाई पदमाणी, रमणिकभाई दुधात्रा, उदयभाई मेहता, पुरुषोत्तमभाई पदमाणी, अरविंदभाई दुघात, भादाभाई पांभर, रतिभाई हिरपरा, भगवानजीभाई वैष्णव, हरेशभाई सावलिया, घनश्यामभाई मांडणका और बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद थे।

पूरे कार्यक्रम का संचालन चंद्रवदनभाई चौहान ने बहुत ही अच्छे और सफल तरीके से किया। कार्यक्रम के आखिर में, संस्था के ब्रांच मैनेजर पारसभाई चावड़ा ने वहां मौजूद सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। अंत में, कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ। इसके बाद, सभी ने नाश्ता करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की सारी व्यवस्था पारसभाई चावड़ा और क्लर्क भौतिकभाई पडाया ने की थी।

सांसद प्रभुभाई वसावा की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित

# विभिन्न योजनाओं के माध्यम से शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को अधिकतम रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएं : सांसद प्रभुभाई वसावा

## सांसद ने सूरत जिले के 1.55 लाख से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्राप्त 486 करोड़ रुपये की सहायता पर दी बधाई

»ब्यूरो रिपोर्ट :- जे.बी. टांक, पत्रकार, सूरत

बैठक में महापौर मायाबेन मावाणी एवं विधायक मोहनभाई ढोडिया की विशेष उपस्थिति

सूरत, शुक्रवारः सूरत जिला ग्रामीण विकास एजेंसी द्वारा जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सांसद प्रभुभाई वसावा की अध्यक्षता में जिला कलेक्टर कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई। महापौर मायाबेन मावाणी तथा विधायक मोहनभाई ढोडिया की विशेष उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में सांसद ने केंद्र प्रायोजित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में सांसद ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने 1 जुलाई से नए नाम के साथ लागू हुई VB-G-RAM G (पूर्व में मनरेगा के नाम से प्रसिद्ध) योजना के संशोधित नियमों की जानकारी तालुका स्तर पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से देने तथा तलाटियों एवं ग्राम पंचायतों तक डिजिटल माध्यमों से जानकारी पहुंचाकर अधिकतम जनजागरूकता फैलाने का सुझाव दिया।

सांसद ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से शहर तथा विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए ठोस प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने सूरत जिले के 1.55 लाख से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्राप्त 486 करोड़ रुपये की सहायता के लिए बधाई भी दी।

उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत बढ़ते औद्योगीकरण के कारण भूमि एवं जल प्रदूषण की समस्या के शीघ्र समाधान तथा आगामी वर्ष में अपशिष्ट प्रबंधन (वेस्ट मैनेजमेंट) को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए। साथ ही, सूरत जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक कदम उठाने तथा प्रभावी कार्ययोजना अपनाने की हिदायत दी। उन्होंने कृषि, मत्स्य पालन एवं पशुपालन से जुड़ी विभिन्न योजनाओं में उत्कृष्ट कार्य कर निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अधिकारियों को प्रोत्साहित किया।

सांसद श्री वसावा ने कहा कि यदि जनहित के कार्यों के लिए सांसद निधि की आवश्यकता हो तो संबंधित प्रस्ताव उनके संज्ञान में लाए जाएं।

उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार के परिवहन विभाग की योजनाओं के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात जागरूकता बढ़ाने, पुराने वाहनों की कार्यक्षमता की जांच कराने तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ट्रैक्टरों के पीछे रिफ्लेक्टर का अनिवार्य उपयोग सुनिश्चित करने पर भी विशेष बल दिया। इसके अलावा, केंद्र सरकार की खेलो इंडिया योजना के तहत जिले में आधुनिक सुविधाओं से युक्त जिला स्तरीय खेल परिसर विकसित करने तथा जिले के बच्चों को खेलों के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

बैठक में महापौर मायाबेन मावाणी ने शहर एवं जिले की आईटीआई योजनाओं की समीक्षा करते हुए सोलर टेक्नीशियन सहित वर्तमान मांग के अनुरूप नए पाठ्यक्रम प्रारंभ करने तथा उनमें महिलाओं की भागीदारी को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। उन्होंने प्रशिक्षण पूरा करने के बाद युवाओं को मिलने वाले रोजगार का सर्वेक्षण कर बेरोजगारी की वास्तविक स्थिति का आकलन करने की भी बात कही।

जिला कलेक्टर तेजस परमार ने दिशा बैठक के अंतर्गत विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों को सौंपे गए कार्यों तथा निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में ग्रामीण विकास, कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, पंचायती राज, आवास एवं शहरी विकास, स्वास्थ्य एवं जनकल्याण, स्वच्छता एवं पेयजल, भूमि एवं राजस्व, शिक्षा, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, कौशल विकास, महिला एवं बाल विकास, परिवहन एवं राजमार्ग, खान एवं खनिज, दिव्यांग सशक्तिकरण, युवा विकास एवं खेल, वस्त्र उद्योग, कला एवं संस्कृति सहित केंद्र सरकार के 35 विभागों की 90 से अधिक योजनाओं की समीक्षा की गई।

जिला ग्रामीण विकास एजेंसी के निदेशक एम.बी. प्रजापति ने बैठक का संचालन किया। इस अवसर पर संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत हुई प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष समीर मोदी, जिला विकास अधिकारी देवेंद्र मीणा, तालुका पंचायत एवं नगरपालिकाओं के अध्यक्षों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

प्रदेश सह-प्रवक्ता श्रीमती हेमाली बेन बोघावाला ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया

# सूरत के बाढ़ प्रभावित व्यापारियों के लिए राज्य सरकार का उदार पुनर्वास सहायता पैकेज

»ब्यूरो रिपोर्ट :- जे.बी. टांक, पत्रकार, सूरत

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने सूरत शहर एवं जिले में हाल ही में हुई भारी वर्षा और बाढ़ से प्रभावित व्यापार, वाणिज्य तथा सेवा क्षेत्र की इकाइयों के पुनर्स्थापन के लिए एक उदार पुनर्वास सहायता पैकेज की घोषणा की है।

इस पैकेज के अंतर्गत रेहड़ी-पटरी (लारी) धारकों को 7,500 रुपये, छोटे केबिन धारकों को 25,000 रुपये, बड़े केबिन धारकों को 50,000 रुपये तथा पिछले तिमाही का जीएसटी रिटर्न भरने वाले पक्की दुकान के व्यापारियों को 1 लाख रुपये की प्रत्यक्ष नकद सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, व्यापारियों को 20 लाख से 30 लाख रुपये तक के टर्म लोन पर तीन वर्षों तक 7 प्रतिशत ब्याज सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

नकद सहायता के लिए आवेदन 30 सितंबर 2026 तक स्वीकार किए जाएंगे, जबकि ब्याज सहायता के लिए पैकेज के शासनादेश जारी होने की तिथि से छह माह के भीतर आवेदन किया जा सकेगा।

राज्य सरकार ने सूरत के बाढ़ प्रभावित आवासीय एवं व्यावसायिक क्षेत्रों को एक वर्ष के लिए कर (टैक्स) में छूट देने का भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब तक 19,256 परिवारों को घरेलू सहायता तथा 39,237 व्यक्तियों को कैश डोल सहायता प्रदान करते हुए कुल 13.15 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता वितरित की जा चुकी है।

उपमुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रभावित व्यापारियों को शीघ्र पुनः स्वरोजगार एवं व्यवसाय से जोड़कर सूरत की स्थानीय अर्थव्यवस्था को तेजी से पुनर्जीवित करना है। साथ ही, भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो, इसके लिए सूरत के खाड़ी क्षेत्रों हेतु दीर्घकालिक एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है।

इस अवसर पर सूरत महानगर भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री श्री दुर्गा प्रसाद पांडे, श्री करसनभाई गोंडलिया, श्री विरलभाई गिलिटवाला, सूरत महानगरपालिका के डिप्टी मेयर सुधाकरभाई चौधरी, सत्तारूढ़ पक्ष की नेता श्रीमती अल्पाबेन मेहता तथा दंडक श्रीमती उर्मिलाबेन त्रिपाठी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# वी.एन.एस.जी.यू. में नए विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए 'शिक्षा और स्वस्थ मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर विशेष मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित

»ब्यूरो रिपोर्ट :- जे.बी. टांक, पत्रकार, सूरत

सूरत, शनिवारः वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय (वी.एन.एस.जी.यू.) के बायोटेक्नोलॉजी विभाग तथा मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं मार्गदर्शन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में कुलपति डॉ. किशोरसिंह चावड़ा एवं कुलसचिव डॉ. रमेशदान गढ़वी के प्रेरक मार्गदर्शन में दिनांक 17/07/2026 को नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के लिए "विद्यार्थी जीवन में शिक्षा और स्वस्थ मानसिक स्वास्थ्य" विषय पर एक विशेष जागरूकता एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता एवं परामर्शदाता श्रीमती विशाखा एन. यादव ने "कक्षा से विश्वविद्यालय परिसर तकः आपके पहले वर्ष की तैयारी" विषय पर व्याख्यान देते हुए विद्यालय और विश्वविद्यालय के वातावरण के बीच के अंतर को सरलता से समझाया। साथ ही, उन्होंने नए विद्यार्थियों को संक्रमण काल के दौरान उत्पन्न होने वाली मानसिक चुनौतियों एवं उलझनों के मनोवैज्ञानिक और व्यावहारिक समाधान भी बताए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रोजेक्ट ऑफिसर श्री देवेंद्रनाथ के. पटेल ने विश्वविद्यालय परिसर से जुड़े प्रेरक एवं रोचक अनुभव साझा कर वातावरण को सहज बनाया। कार्यक्रम के समापन पर प्रेरणादायक संगीत के माध्यम से विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया गया।

200 से अधिक विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति वाले इस कार्यक्रम में बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्राध्यापकों तथा मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं मार्गदर्शन केंद्र के विशेषज्ञों ने सराहनीय भूमिका निभाई। यह कार्यक्रम नए प्रवेशार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं उपयोगी सिद्ध हुआ।

# मौजूदा चैंपियन यू मुंबा की लगातार दूसरी जीत, पुणे जगुआर्स को हराया

**पणजी।** मौजूदा चैंपियन यू मुंबा टीटी ने अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) सीजन 7 में अपनी शानदार वापसी जारी रखी। मुंबा ने गुरुवार को पणजी के पास तलेइगाओ में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में महाराष्ट्र की प्रतिद्वंद्वी टीम पीबीजी पुणे जगुआर्स को 9-6 से मात देकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की और स्टैंडिंग में शीर्ष पर पहुंच गए।

शुरुआत में कड़े मुकाबले के बाद, यू मुंबा ने कप्तान मानुष शाह और अन्ना हर्सी के शानदार मिक्स्ड डबल्स प्रदर्शन के दम पर बढ़त बनाई। इसके बाद फ्रांस के लिलियन बार्डेट ने रोमांचक 'गोल्डन प्वाइंट' फिनिश में उमर असर के खिलाफ संयम बनाए रखा और मुकाबले को पुणे की पहुंच से दूर कर दिया।

महाराष्ट्र डर्बी की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक हुई, जिसमें पुणे ने बढ़त बनाई। स्नेहित सुरावज्जुला ने इस सीजन में अपना अजेय क्रम जारी रखते हुए पहले पुरुष सिंगल्स मैच में मानुष को हराया, जबकि वे एक गेम से पीछे चल रहे थे। यू मुंबा ने हर्सी के जरिए तुरंत जवाब दिया; उन्होंने शांतचित्त प्रदर्शन करते हुए तीन गेम में दिया चितले को हराया और मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

मिक्स्ड डबल्स में बाजी पूरी तरह पलट गई, जहां मानुष और हर्सी ने शानदार तालमेल दिखाते हुए स्नेहित और पृथिका पावडे को सीधे गेम में हरा दिया, जिससे मौजूदा चैंपियन को अहम बढ़त मिल गई। इसके बाद पुणे की उम्मीदें उमर असर पर टिकी थीं, जिन्होंने लिलियन बार्डेट के खिलाफ पहला गेम जीता, लेकिन फ्रांसीसी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया।निर्णायक मुकाबले में मैच के सबसे यादगार पल देखने को मिले। असर ने 'अराउंड-द-नेट' विनर (जिसे बाद में 'शॉट ऑफ द टाई' कहा गया) से दर्शकों को हैरान कर दिया, लेकिन बार्डेट ने 'गोल्डन प्वाइंट' पर संयम बनाए रखते हुए वापसी पूरी की और यू मुंबा की लगातार दूसरी जीत पक्की की।मुकाबले का नतीजा तय हो जाने के बाद, पावडे ने अनुषा कुटुंबले पर 2-1 से जीत के साथ पुणे के लिए सकारात्मक अंत सुनिश्चित किया। इस जोड़ी ने दूसरे गेम में सीज़न की सबसे लंबी रैली खेली—31-शॉट का आदान-प्रदान—जिसमें पावडे ने टेबल से काफी पीछे से लगातार हमलों का सामना किया और आखिरकार अनुषा ने गलती कर दी। अनुषा ने शानदार बैकहैंड विनर के साथ 'गोल्डन प्वाइंट' पर तीसरा गेम जीतकर वापसी की।

# लॉर्ड्स वनडे के बाद खत्म हो जाएगा रोहित का करियर!

## वनडे विश्व कप में चयन को लेकर मिले बड़े संकेत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का अंतरराष्ट्रीय करियर अब अंतिम दौर में पहुंचता दिख रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला हो सकता है। भारतीय चयन समिति मौजूदा इंग्लैंड दौरे के बाद उन्हें वनडे टीम में आगे मौका देने के पक्ष में नहीं दिख रही है।

### चयनकर्ताओं की नजर भविष्य पर

पीटीआई के अनुसार, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर इस समय इंग्लैंड दौरे पर टीम के साथ मौजूद हैं। सूत्रों का कहना है कि चयनकर्ता अब 2027 वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं। इसी वजह से 39 वर्षीय रोहित शर्मा को आगे की योजनाओं में शामिल किए जाने की संभावना कम है। एक वरिष्ठ बीसीसीआई सूत्र ने कहा, 'चयनकर्ता यशस्वी जायसवाल को लगातार मौके देना चाहते हैं। उन्होंने तीन पारियों में दो शतक लगाए हैं और टीम प्रबंधन चाहता है कि आगामी लगभग 20 वनडे मैचों में उन्हें पर्याप्त अवसर मिलें।'

सूत्र ने यह भी कहा, 'कोई भी रोहित शर्मा से संन्यास लेने के लिए नहीं कह सकता, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ सितंबर में होने वाली घरेलू वनडे सीरीज से चयनकर्ता भविष्य की टीम तैयार करना चाहते हैं। रोहित के भविष्य पर फैसला उन्हें खुद लेना होगा।'

### रोहित के हालिया प्रदर्शन पर सवाल

रोहित शर्मा का हालिया वनडे प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। पिछले आठ वनडे मैचों में उन्होंने 241 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 30.1 और स्ट्राइक रेट 88.6 रहा है, जबकि उनके बल्ले से सिर्फ एक अर्धशतक निकला है।

### विराट कोहली पर भरोसा कायम

पीटीआई के अनुसार, मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर विराट कोहली को लेकर एकमत हैं। उनकी मौजूदा फॉर्म और फिटनेस को देखते हुए कोहली वनडे टीम में स्वतः चयन के दावेदार बने हुए हैं।

### टेस्ट संन्यास को लेकर भी मतभेद

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के समय भी चयन समिति और उनके बीच पूरी तरह सहमति नहीं थी। चयनकर्ताओं का मानना था कि रोहित इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के केवल शुरुआती दो मैच खेलने के बाद फैसला लेना चाहते थे, जबकि रोहित के करीबी सूत्रों का दावा है कि उन्होंने पूरी पांच मैचों की सीरीज के लिए खुद को उपलब्ध बताया था।

# अर्जेंटीना का विश्वकप फाइनल तक का सफर पिछले 4 मैचों में आखिरी मिनटों में पलटी बाजी

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** फीफा विश्व कप 2026 में अर्जेंटीना ने सिर्फ मैच नहीं जीते, बल्कि कई ऐसे मुकाबले अपने नाम किए जिनमें हार लगभग तय नजर आ रही थी। लियोनल स्कालोनी की टीम ने ग्रुप चरण में तो दबदबे के साथ प्रदर्शन किया, लेकिन असली परीक्षा नॉकआउट में हुई। वहां अर्जेंटीना ने बार-बार साबित किया कि यह टीम आखिरी मिनट तक हार नहीं मानती।

अब मौजूदा विश्व चैंपियन लगातार दूसरे खिताब की तलाश में फाइनल में पहुंच चुका है, जहां उसका मुकाबला यूरोपीय चैंपियन स्पेन से होगा। दिलचस्प बात यह है कि अर्जेंटीना टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम बनकर फाइनल में पहुंची है, जबकि स्पेन ने अब तक सबसे मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन किया है। अर्जेंटीना अगर विश्वकप जीतती है तो 64 साल में लगातार दो विश्वकप जीतने वाली पहली टीम बनेगी। इससे पहले ऐसा 1934 और 1938 में इटली ने और 1958 और 1962 में ब्राजील ने किया था।

अर्जेंटीना ने अपने अभियान की शुरुआत अल्जीरिया पर 3-0 की जीत से की। यह मुकाबला लियोनल मेसी का 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच था और उन्होंने हैट्रिक लगाकर विश्वकप में मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। दूसरे मैच में ऑस्ट्रिया के खिलाफ मेसी ने शुरुआती पेनल्टी गंवाई, लेकिन उसके बाद दो शानदार गोल कर टीम को 2-0 से जीत दिलाई। इसी मुकाबले में वह विश्व कप फाइनल्स के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी भी बन गए।

जॉर्डन के खिलाफ तीसरे मुकाबले में स्कालोनी ने मेसी को बेंच पर रखा। जियोवानी लो सेल्सो और लॉटारो मार्टिनेज ने बढ़त दिलाई, जबकि मेसी ने मैदान पर उतरने के बाद शानदार फ्री-किक गोल कर 3-1 की जीत सुनिश्चित की। अर्जेंटीना ने ग्रुप-जे में तीनों मैच जीतकर नॉकआउट में प्रवेश किया।

### नॉकआउट में शुरू हुई असली परीक्षा

राउंड ऑफ-32 में विश्व कप की पहली बार खेल रही केप वर्डे ने अर्जेंटीना को कड़ी चुनौती दी। मेसी और लिसांद्रो मार्टिनेज के गोल के बावजूद केप वर्डे ने दो बार बराबरी की। जहां 111वें मिनट में मेसी के कॉर्नर पर डिने बोर्गेस के आत्मघाती गोल ने अर्जेंटीना को 3-2 से जीत दिलाई। राउंड ऑफ-16 में मिस्र के खिलाफ मुकाबला और भी नाटकीय रहा। 67वें मिनट तक अर्जेंटीना 0-2 से पीछे था। इसके बाद क्रिस्टियनो रोमेरो ने पहला गोल किया और मेसी ने बराबरी दिला दी। अतिरिक्त समय में एंजो फर्नांडीज के हेडर ने 3-2 की अविश्वसनीय जीत दिलाकर टीम को क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया।

### स्विट्जरलैंड - इंग्लैंड के खिलाफ दिखाई मानसिक मजबूती

क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड ने अर्जेंटीना को कड़ी टक्कर दी। एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने बढ़त दिलाई, लेकिन डैन एनडोए ने बराबरी कर दी। इसके बाद स्विट्जरलैंड के ब्रेल एम्बोलो को रेड कार्ड मिला और अतिरिक्त समय में जूलियन अल्वारेज और लौटारो मार्टिनेज के गोल से अर्जेंटीना ने 3-1 से जीत दर्ज कर ली। सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने एंथनी गॉर्डन के गोल से बढ़त बनाई और लंबे समय तक उसे बनाए रखा। लेकिन 85वें मिनट में एंजो फर्नांडीज ने बराबरी कर दी। अर्जेंटीना ने दबाव बनाए रखा और 90+2वें मिनट में लौटारो मार्टिनेज ने विजयी हेडर लगाकर टीम को लगातार दूसरे विश्व कप फाइनल में पहुंचा दिया।

### आंकड़े बताते हैं कि अर्जेंटीना क्यों सबसे खतरनाक टीम है

अगर अर्जेंटीना के पूरे अभियान का विश्लेषण करें तो उसकी सबसे बड़ी ताकत सिर्फ मेसी नहीं, बल्कि आखिरी मिनट तक लड़ने का जज्बा रहा है। सात में से चार मुकाबलों में टीम ने 70वें मिनट के बाद या अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल किए। नॉकआउट चरण के चारों मैचों में अर्जेंटीना को संघर्ष करना पड़ा। इनमें से तीन मुकाबलों (केप वर्डे, मिस्र और इंग्लैंड) में टीम या तो बराबरी की स्थिति में नहीं थी या हार के बेहद करीब पहुंच चुकी थी, लेकिन फिर भी जीत दर्ज की। दो मुकाबले (केप वर्डे और स्विट्जरलैंड) अतिरिक्त समय तक गए और दोनों में अर्जेंटीना विजेता बनी। मिस्र और इंग्लैंड के खिलाफ जीत पूरी तरह आखिरी 20 मिनट और इंजरी टाइम में तय हुई। यानी अर्जेंटीना की सबसे बड़ी पहचान अब सिर्फ आक्रामक फुटबॉल नहीं, बल्कि दबाव में धैर्य बनाए रखना और आखिरी सीटी तक मुकाबला जीवित रखना बन चुकी है।

### अब सबसे बड़ी चुनौती स्पेन

फाइनल में अर्जेंटीना के सामने स्पेन की मजबूत दीवार होगी। जहां अर्जेंटीना टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम रही है, वहीं स्पेन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाया है। एक ओर मेसी, लौटारो मार्टिनेज, जूलियन अल्वारेज और एंजो फर्नांडीज जैसे मैच विनर हैं, तो दूसरी तरफ स्पेन का अनुशासित डिफेंस और पजेशन आधारित खेल। अगर अर्जेंटीना को लगातार दूसरा विश्व कप जीतना है तो उसे एक बार फिर वही करना होगा, जो उसने पूरे टूर्नामेंट में किया है। दबाव झेलना, सही समय का इंतजार करना और आखिरी मिनटों में मैच अपने पक्ष में मोड़ देना, ये अर्जेंटीना के मजबूत पक्ष रहे हैं। यही वजह है कि स्पेन के सामने सिर्फ मेसी ही नहीं, बल्कि एक ऐसी टीम होगी जिसने पूरे विश्व कप में साबित किया है कि उसके लिए मुकाबला अंतिम सीटी बजने तक खत्म नहीं होता।

## फाइनल मुकाबले के लिए मुख्य रेफरी का ऐलान, स्लोवेनिया के अधिकारी को मिली जिम्मेदारी

**न्यू जर्सी, एजेंसी।** फीफा ने विश्व कप 2026 के फाइनल मैच के लिए रेफरी के नाम की घोषणा कर दी है। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले जाने वाले खिताबी मुकाबले में स्लोवेनिया के अनुभवी अधिकारी स्लावको विंसिक मुख्य रेफरी की भूमिका निभाएंगे। फीफा के रेफरी प्रमुख पियरलुइगी कोलिना ने इस नियुक्ति पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि विश्व कप फाइनल जैसे बड़े मुकाबले के लिए अनुभवी और योग्य रेफरी का होना बेहद जरूरी है। विंसिक को इस महत्वपूर्ण मैच की जिम्मेदारी मिलना उनके शानदार करियर को दिखाता है।

फीफा के अनुसार, फाइनल में स्लावको विंसिक की सहायता के लिए टोमाज क्लैंचनिक असिस्टेंट रेफरी-1 और एंड्राज कोवाचिक असिस्टेंट रेफरी-2 की भूमिका निभाएंगे। वहीं, अधम मखादमेह चौथे अधिकारी और मोहम्मद अल्कालाफ रिजर्व असिस्टेंट रेफरी होंगे। 46 साल के स्लावको विंसिक का यह पहला बड़ा विश्व कप फाइनल होगा। उन्होंने 2022 में कतर विश्व कप से अपने विश्व कप करियर की शुरुआत की थी, जहां उन्होंने दो मैचों में रेफरी की जिम्मेदारी संभाली थी। फीफा विश्व कप 2026 में भी वह अब तक तीन मैचों में रेफरी रह चुके हैं। फाइनल उनके विश्व कप करियर का छठा मुकाबला होगा।

विंसिक के करियर में कई बड़े मुकाबले शामिल हैं। इनमें यूईएफए 2024 चैंपियंस लीग फाइनल भी शामिल है, जिसमें रियल मैड्रिड और बोरूसिया डॉर्टमुंड आमने-सामने थे। इसके अलावा उन्होंने यूईएफए यूरोपीय चैंपियनशिप, विश्व कप क्वालिफायर, यूरोपा लीग, नेशंस लीग और क्लब वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में भी रेफरी की भूमिका निभाई है।यह मुकाबला न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां 80 हजार से ज्यादा दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। लियोनल मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना ने लगातार दूसरी बार फाइनल का टिकट हासिल किया है। वहीं, स्पेन ने साल 2010 के बाद पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बनाई है। स्पेन ने साल 2010 में विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया था। ऐसे में टीम की निगाहें दूसरे खिताब पर होंगी।

## डोपिंग में फंसे पाकिस्तान स्टार ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज

**न्यूयॉर्क।** पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने डोपिंग नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया है। आईसीसी ने शुक्रवार को उन्हें तीन महीने के लिए निलंबित करने का फैसला सुनाया। हालांकि, यदि नवाज आईसीसी द्वारा निर्धारित नशा मुक्ति कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तो उनकी सजा घटकर एक महीने रह जाएगी। 32 वर्षीय नवाज का डोप टेस्ट सात फरवरी को टी20 विश्व कप में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच खेले गए मैच के बाद लिया गया था। उस समय टूर्नामेंट की सह-मेजबानी भारत और श्रीलंका कर रहे थे, लेकिन आईसीसी की व्यवस्था के तहत पाकिस्तान अपने मुकाबले श्रीलंका में खेल रहा था। डोप टेस्ट में उनके शरीर में कार्बोक्सी-टीएचसी पाया गया। यह कैनाबिस (गांजा) के सेवन के बाद शरीर में बनने वाला एक निष्क्रिय मेटाबोलाइट है। इसका उपयोग खेल प्रदर्शन बढ़ाने के लिए नहीं माना जाता।

## सेमीफाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधू, क्वार्टर फाइनल में हिस्सा नहीं ले सकीं ओकुहारा

**टोक्यो, एजेंसी।** भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने शुक्रवार को जापान ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में सिंधू का मुकाबला नोजोमी ओकुहारा से होना था, लेकिन वह चोट के कारण मैच में हिस्सा नहीं ले सकीं। यह इस सीजन में सिंधू का तीसरा सेमीफाइनल है। इससे पहले वह मलयेशिया सुपर 1000 और ऑस्ट्रेलिया सुपर 500 के सेमीफाइनल में पहुंची थीं।

### सीजन का पहला खिताब जीतने पर नजरें

इसके साथ ही, 2023 डेनमार्क ओपन के बाद यह उनका पहला सुपर 750 सेमीफाइनल है। 31 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू की निगाहें इस सीजन का पहला खिताब जीतने पर होंगी। सेमीफाइनल मुकाबले में उनका सामना टोक्यो ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की विश्व की नंबर 4 चीनी खिलाड़ी चेन युफेई से होगा। सिंधू और चेन युफेई के बीच अब तक कड़ा मुकाबला देखने को मिला है। हालांकि, हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में सिंधू उनसे 6-8 से पीछे हैं।

### युफेई के खिलाफ अच्छा नहीं है सिंधू का रिकॉर्ड

सिंधू को युफेई के खिलाफ पिछले पांच मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। सेमीफाइनल में जीत न केवल सिंधू के हारने के इस सिलसिले को खत्म करेगी, बल्कि लगभग तीन साल में उनके पहले सुपर 750 फाइनल में पहुंचने का रास्ता भी साफ होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में अब भारत की एकमात्र दावेदार हैं। सिंधू ने प्री क्वार्टर फाइनल मैच में विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी हान युए को सिर्फ 35 मिनट में हराया था। उन्होंने हान को सीधे गेम में 21-16, 21-14 से मात देते हुए क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया था। इस साल 28 वर्षीय चेन युफेई ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इंडोनेशिया मास्टर्स का खिताब जीता, जबकि थाईलैंड और मलयेशिया में हुए सुपर 500 टूर्नामेंट में फाइनल में भी जगह बनाई थी। इसके अलावा, युफेई ने सिंगापुर और भारत में खेले गए सुपर 750 टूर्नामेंट में भी सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। वह मलयेशिया ओपन और ऑल इंग्लैंड जैसे प्रतिष्ठित सुपर 1000 टूर्नामेंट में भी अंतिम चार में पहुंची थीं।

## ‘श्री श्री’ के जरिए बड़े परदे पर नजर आएंगे पूजा हेगड़े और दुलकर सलमान

दुलकर सलमान ने अपनी 41वीं फिल्म का टाइटल अनाउंस कर दिया है। अब तक ‘DQ41’ के नाम से पहचानी जा रही इस फिल्म का नाम ‘श्री श्री’ रखा गया है। दुलकर ने सोशल मीडिया पर फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए इसकी अनाउंसमेंट की। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में दुलकर और पूजा हेगड़े खूबसूरत प्राकृतिक वादियों के बीच नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर ‘लव विल स्पार्क अगेन’ टैगलाइन भी लिखी गई है, जो फिल्म की रोमांटिक थीम की झलक देती है। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए दुलकर और पूजा पहली बार बड़े परदे पर साथ नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग काफी समय पहले शुरू हो चुकी थी, लेकिन अब जाकर मेकर्स ने इसका नाम सामने रखा है। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म की शूटिंग की कुछ झलकियां साझा की थीं।

### धीक्षित शेट्टी भी अहम भूमिका में

फिल्म का लेखन और निर्देशन रवि नेलाकुडिटी ने किया है। वहीं इसका निर्माण सुधाकर चेरुकुरी ने एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले किया है। इसमें धीक्षित शेट्टी भी अहम भूमिका निभा रहे हैं और म्यूजिक जी.वी. प्रकाश कुमार ने दिया है। फिल्म को मल्टी लैंग्वेज पैन इंडिया फिल्म के रूप में 2026 में रिलीज किया जाएगा।

## फिल्म निर्माण में उतरेंगी सना सईद, शेयर किया ‘प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट’ का पहला ड्राफ्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री सना सईद ने बतौर फिल्म निर्माता अपनी पहली फीचर फिल्म ‘प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट’ का पहला ड्राफ्ट पूरा होने पर जश्न मनाया। उनको ड्राफ्ट (कहानी या स्क्रिप्ट का प्रारंभिक मसौदा) मिल गया है। सना सईद ‘बियॉन्ड मैजिक स्टूडियोज’ के तहत एक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। अभिनेत्री इस फिल्म में एक्टिंग भी करेंगी। सोशल मीडिया पर अपडेट शेयर करते हुए सना ने कहा कि हाथ में स्क्रिप्ट पकड़ने से उन्हें फिल्म बनाने का अपना सपना आखिरकार ‘बहुत असली’ लगा। ‘कुछ कुछ होता है’ की एक्ट्रेस ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने कहा, ‘मेरे हाथ में एक फीचर फिल्म के ‘प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट’ का पहला ड्राफ्ट है, जिसे हम मेरी प्रोडक्शन कंपनी, बियॉन्ड मैजिक स्टूडियो के तहत बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म बनाने की दिशा में मेरा पहला कदम है और यह बस शुरुआत है।’ उन्होंने कहा, ‘फिल्म बनाना बहुत मेहनत का काम है और इसमें बहुत कुछ शामिल है जिसे मैं अभी सीख और समझ रही हूं लेकिन हाथ में यह पहला ड्राफ्ट होना बहुत एक्साइटिंग है। मुझे एक्टिंग पसंद है, लेकिन मुझे फिल्म बनाना भी हमेशा से पसंद रहा है। मैं हमेशा से इसका अंदर से हिस्सा बनना चाहती थी। और इसे हाथ में पकड़ना बहुत असली लगता है। यह बहुत असली लगता है।’ सना ने कैप्शन में लिखा, ‘जिस चीज पर मैं कुछ समय से चुपचाप काम कर रही थी, वह आज सच हो गई। मुझे एक फीचर फिल्म के लिए अपने ‘प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट’ का पहला ड्राफ्ट मिला। एक स्क्रिप्ट। एक असली स्क्रिप्ट। एक ऐसी फिल्म के लिए जिसमें मैं एक्टिंग करूंगी, जिसे हम सब मिलकर शुरू से बना रहे हैं। जिस चीज का मैंने सपना देखा था, उसे हाथ में पकड़ने पर कैसा महसूस होता है, इसके लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। इसलिए मैंने बस अपने फोन पर बात की।

सना सईद अभी लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में रहती हैं। उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत मशहूर फिल्म ‘कुछ कुछ होता है’ में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की थी और बाद में ‘स्टूडेंट ऑफ द ईयर’ में नजर आईं। इतने साल में, उन्होंने ‘झलक दिखला जा 6,’ ‘नच बलिए 7,’ और ‘फियर फैक्टर : खतरों के खिलाड़ी 7’ जैसे पॉपुलर रियलिटी शो में भी हिस्सा लिया है।

## कृति सेनन ने बताया क्यों करवाए एग्स फ्रीज

**कृति सेनन की उम्र इस वक्त 35 साल है। उनके कबीर बहिया के साथ रिलेशनशिप में होने की अटकलें भी लगती हैं। लेकिन शादी को लेकर कृति सेनन का अभी कोई प्लान नजर नहीं आता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि लगभग 5 साल पहले ही अपने एग्स फ्रीज करवा लिए थे। उस वक्त एक खास वजह से उन्होंने यह फैसला लिया था।**

कृति सेनन कहती हैं, ‘मैं यह बात पहली बार बता रही हूं। मैंने अपने एग्स फ्रीज करवाए थे। मैंने बहुत समझदारी से यह काम उस समय किया, जब मुझे ‘मिमी’ फिल्म के लिए वजन बढ़ाना था। इससे शरीर में बदलाव आ रहे थे, मैं वजन बढ़ा ही रही थी। मैंने किसी से बात की थी, उन्होंने मुझे बताया कि अगर हो सके तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात है। यह खुद को दिया जा सकने वाला सबसे अच्छा तोहफा है। यह बात मेरे दिमाग में रह गई। फिर जब मुझे वजन बढ़ाने के लिए कहा गया, तो मुझे लगा कि यही सही समय है।’ फिल्म ‘मिमि’ साल 2021 में रिलीज हुई थी यानी लगभग पांच साल पहले कृति सेनन ने अपने एग्स को फ्यूचर के लिए फ्रीज करवा दिया। बता दें कि एग फ्रीजिंग एक मेडिकल प्रक्रिया है जिसमें महिला के एग्स (अंडे) को जमा करके फ्रीज कर दिया जाता है। जब कभी फ्यूचर में उसे मां बनना होता है तो इन एग्स के जरिए वह अपने बयोलॉजिकल बच्चे पैदा कर सकती है।

### रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में हैं एक्ट्रेस

कृति सेनन बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। दोनों कई बार साथ नजर आ चुके हैं। बीते दिनों इनके ब्रेकअप की अटकलें भी लग थीं। फिर यह कपल मुंबई के बांद्रा में डिनर डेट पर दिखाई दिया। पैपराजी से भी बचने की कोशिश कृति और कबीर ने नहीं की। एक वायरल वीडियो में दोनों मुस्कुरा रहे थे। एक ही गाड़ी में यह कपल घर की तरफ निकला। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनके रिश्ते में कोई दूरी नहीं आई।

### कृति सेनन करियर फ्रंट पर क्या रही हैं

कृति सेनन की कुछ दिनों पहले ही फिल्म ‘कॉकटेल 2’ रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी हैं। फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कृति आने वाली फिल्म ‘डॉन 3’ में भी नजर आ सकती हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

## थोड़ा सब्र रखें, हैरान कर देगी ‘टॉक्सिक’

यश स्टारर फिल्म ‘टॉक्सिक’ का टीजर रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर इसकी काफी चर्चा हो रही है। टीजर में दिखाए गए इंटीमेट सीन्स को लेकर कई यूजर्स ने फिल्म की आलोचना की और इसे जरूरत से ज्यादा बोल्ड बताया। कुछ लोगों ने सेंसर बोर्ड को लेकर भी अटकलें लगाईं कि फिल्म के कई सीन काटे जा सकते हैं। इन प्रतिक्रियाओं के बीच फिल्म से जुड़ी एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि दर्शकों ने अभी फिल्म देखी ही नहीं है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। हुमा कहती हैं... ‘टॉक्सिक में जितनी भी लीड एक्ट्रेसेस हैं, सभी ने शानदार काम किया है। गीतू मोहनदास एक बेहतरीन फिल्ममेकर हैं। उन्होंने नेशनल अवॉर्ड जीता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनके काम को पहचान मिली है। जब उन्होंने मुझे यह फिल्म ऑफर की, तो मैं इस बात को लेकर उत्साहित थी कि एक महिला निर्देशक इतनी बड़े स्तर की फिल्म कैसे पेश करेंगी। इतनी बड़ी स्टार कास्ट किसी मजबूत कहानी के बिना एक साथ नहीं आती। दर्शकों को थोड़ा धैर्य रखना चाहिए क्योंकि पूरी फिल्म देखने के बाद ही सही तस्वीर सामने आएगी। यह सभी को शॉक्ड कर देगी। यह फिल्म 26 अगस्त को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी।

## लोग सिर्फ इंडस्ट्री का ग्लैमर देखते हैं

करीब दो दशक से टीवी इंडस्ट्री का हिस्सा रहीं अनिता हसनंदानी ने छोटे पर्दे के कई दौर देखे हैं। सास-बहू सीरियल से लेकर ओटीटी तक का बदलाव देखा। बदलती हुई इंडस्ट्री के साथ उन्होंने खुद को भी बदला है। इन दिनों वह टीवी सीरियल ‘तुम से तुम तक’ में राजनंदिनी का किरदार निभा रही हैं। बातचीत में अनिता ने अपने करियर, टीवी इंडस्ट्री और अपनी बदली हुई सोच पर खुलकर बात की है।

### रिश्तों में बेवजह की उलझनें पसंद नहीं हैं

सीरियल ‘तुम से तुम’ में अनिता का किरदार राजनंदिनी अपने मन की बात को खुलकर कहता है। क्या असल जिंदगी में अनीता हसनंदानी भी ऐसी हैं। इस पर वह कहती हैं, ‘मैं अपने बारे में ऐसा तो नहीं कहूंगी। मुझे लगता है कि जिंदगी में कोई भी पूरी तरह सॉर्टेड नहीं होता है। हां, मैं अपनी फीलिंग्स को लेकर हमेशा ईमानदार रही हूं। रिश्तों में मुझे बेवजह की उलझनें पसंद नहीं हैं। मुझे रिश्तों में साफगोई पसंद है। शायद यही वजह है कि मैं राजनंदिनी से भी तुरंत जुड़ गई। उसके अंदर एक गरिमा है, एक सादगी है।’ वह आगे कहती हैं, ‘मुझे इस सीरियल में रिश्तों की कई परतें दिखी हैं। कोई भी किरदार परफेक्ट नहीं है और यही बात इसे अलग बनाती है।’

### अच्छी कहानियां और काम याद रहता है

सास-बहू से लेकर सुपरनैचुरल और ओटीटी तक, अनिता ने टीवी का हर दौर देखा है। लेकिन किसी ट्रेंड की आलोचना करने के बजाय वह खुद में आए बदलाव की बात करती हैं। अनीता कहती हैं, ‘अगर एक चीज वापस नहीं आनी चाहिए, तो वो है खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव डालना। पहले मैं छोटी-छोटी बातों पर बहुत परेशान हो जाती थी। अब समझ आया है कि प्रोसेस पर भरोसा रखना चाहिए। आखिर में ट्रेंड नहीं अच्छी कहानियां और अच्छा काम ही याद रहता है।’

### टीवी इंडस्ट्री को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी क्या है?

इस सवाल पर अनिता जवाब देती हैं, ‘लोगों को लगता है कि रोज टीवी पर दिखते हैं, तो शायद यह आसान काम होगा। लेकिन इसके पीछे कितनी मेहनत होती है, इसका अंदाजा बहुत कम लोगों को है। लंबे वक्त तक शूटिंग, कम समय में तैयारी और लगातार इमोशनल सीन करना आसान नहीं होता है। लोग ग्लैमर देखते हैं लेकिन उसके पीछे का अनुशासन और मेहनत नहीं।’

## आज भी खुद को सीखने की प्रक्रिया में मानती हैं संचिता बसु

**मां के सूट पहनकर 90 के दशक के गानों पर विडियो बनाने वाली भागलपुर (बिहार) की एक लड़की को शायद तब अंदाजा नहीं रहा होगा कि एक दिन लोग उसे उसके असली नाम से ’यादा उसके किरदार ‘सान्विका’ के नाम से पहचानेंगे। सोशल मीडिया से अभिनय तक का सफर तय करने वाली संचिता बसु आज भी खुद को सीखने की प्रक्रिया में मानती हैं। हाल ही में ‘तुकरा के मेरा प्यार’ सीजन-2 के लिए संचिता ने हमसे अपने संघर्ष, वायरल होने और अपने किरदार से मिले आत्मविश्वास पर खुलकर बात की।**

यह बात बिल्कुल सच है कि मैं अपनी मां के कपड़े पहनकर रील्स बनाती थी। मां ही मेरे विडियोज शूट किया करती थीं। ट्रडिशनल ड्रेस में लोग मेरे विडियोज पसंद करते थे। धीरे-धीरे मैं उसी में ढल गई। मेरी मम्मी सलमान खान की तगड़ी फैन हैं। वह नैशनल एथिलीट रही हैं। उन्होंने अपने कोच के कहने पर सलमान सर की फिल्म साजन और हम आपके हैं कौन थिएटर में देखने के लिए 500 मीटर की दौड़ जाती थीं। मैं नौवीं क्लास में थी, स्कूल से आने से पहले तक मां मेरे लिए 90’ह्य के गाने सिलेक्ट करके रखती थीं। फिर मैं मां के सूट पहनकर फटाफट 10-12 विडियोज शूट करती थी। मेरी खिड़की से हवा आती थी, बाल उड़ रहे होते थे और मैं विडियोज बनाती थी। यह हमारा रूटीन था। स्कूल में चाहे कितना भी बोरिंग दिन रहा हो, मैं यही सोचती थी कि घर जाकर विडियोज बनाऊंगी।

### फिल्में देखना, अखबार पढ़ना मेरा रूटीन है

सोशल मीडिया आज छिपे टैलंट को मुकाम दे रहा है। मुझे भी पहला काम (फिल्म फर्स्ट डे, फर्स्ट शो) उसी के जरिए मिला। मैं सोशल मीडिया पर जो विडियोज डालती हूं, उसमें गानों की लिप्सिंग रहती है लेकिन ऐक्टिंग एक अलग प्रकिया है। अपनी आवाज को ऐक्ट के साथ सामने लाना और जिस फील के साथ आप सीन शूट कर रहे हो, लोगों तक पहुंचाना इतना आसान नहीं है। बतौर कलाकार मैं इसका मजा ले रही हूं। फिल्में देखना, अखबार पढ़ना मेरी दिनचर्या में शामिल हो गया है क्योंकि मैं अपना क्राफ्ट बेहतर करने की कोशिश में लगी रहती हूं। मैंने थिएटर के लोगों के साथ काम किया है तो उनसे भी काफी कुछ सीखने को मिला है। मैं चाहती हूं कि लोग बोलें कि मैं अ’छी कलाकार हूं।

### बाइक चलाते समय कई बार गिरी

संचिता, सान्विका से बिल्कुल विपरीत है। वह बहुत शांत लड़की है, किसी की बात अगर बुरी भी लग जाए तो भी जल्दी अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं करती है। कोने में अकेले जाकर रो लेती है। वहीं, सान्विका बिंदास और बेहद जिद्दी है। उसने मुझे एक स्ट्रेंथ दी है। आज मैं कहीं जाती हूं तो लोग मुझे सान्विका के नाम से बुलाते हैं। 12वीं तक मैं गर्ल्स कॉलेज में पढ़ी थी, उसके बाद ‘फर्स्ट डे फर्स्ट शो’ की शूटिंग में व्यस्त हो गई तो कॉलेज जाना नहीं हो पाता था। इस किरदार में मुझे कॉलेज लाइफ जीने का मौका भी मिला। मैं जुलाई में अपने ग्रैजुएशन के फाइनल इयर के एग्जाम देने वाली हूं। इस किरदार के लिए ही मैंने बाइक चलाना सीखी। पहले सीजन में बाइक चलाने के दौरान तो मैं कई बार गिरी हूं। हम लोग एक सीक्वेंस शूट कर रहे थे, उस दौरान चार टेक हुए और मैं काफी नर्वस हो गई थी। हर बार ढलान पर बाइक चढ़ाते समय मैं गिर जाती थी। पांचवें टेक में वो शॉट पूरा हुआ था।

### पापा से बहुत प्यार करती हूं

हां, यह भी हकीकत है कि मैंने अपने नाम के आगे मां बीना और पापा सुरेंद्र का पहला अक्षर मिलाकर ‘बसु’ लगाया है। मैं पापा से बहुत प्यार करती हूं। अभी कुछ समय पहले हमारे पटना इवेंट में वह आए थे। मैं उनकी आंखों में आंसू देखकर अपने लिए खुशी देख पा रही थी। मुझे उनको हमेशा गर्व महसूस करवाना है। पापा चाहते थे कि मैं यूपीएससी करूं और मम्मी का सपना था कि मैं डॉक्टर बन जाऊं लेकिन मैं धीरे-धीरे सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। मुझे भी नहीं पता था कि मैं कभी इस लाइन को चुनूंगी, बस मुझे मजा आ रहा था। अब यहां काम कर रही हूं तो अपनी जिम्मेदारी का अहसास हो रहा है क्योंकि फैंस आपसे अपेक्षा रखते हैं। मैं ऐसी हूं कि मुझे सोशल मीडिया पर भी लोग ट्रोल नहीं करते हैं।

Printed / Published /Owned by ILEVAN H. THAKAR on behalf of ILEVAN H. THAKAR and Printed at JAY GRAPHICS AND PRINTERS, C/15, Vikram Chambers, Income Tax, Ashram Raod, Ahmedabad - 380 009. Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR.(GUI) Editor: ILEVAN H. THAKAR